सृजन

वार्षिक पत्र , हिंदी विभाग सेंट बीड्स महाविद्यालय शिमला

संस्करण : 08 **वर्ष:2025**

अकादमिक सत्र 2024-25 में सेंट बीड्स महाविद्यालय, शिमला के हिंदी विभाग द्वारा गठित छात्राओं के समूह - 'प्रतिबिम्ब' के सहयोग से अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गयीं।

हिंदी सप्ताह 2024 का आयोजन

सेंट बीड्स महाविद्यालय, शिमला के हिंदी विभाग द्वारा 07-13 सितंबर, 2024 के बीच हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसके दौरान छात्राओं को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया -

गतिविधि 1 : हिंदी के महत्त्व पर पोस्टर निर्माण - "हिंदी है भारत की आशा, हिंदी है भारत की भाषा",

तिथि : 07 सितम्बर, 2024

उद्देश्य :

- छात्राओं को हिंदी भाषा के महत्त्व और उसके गौरव के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर देना।
- छात्राओं को अपने सर्जनात्मक कौशल को प्रदर्शित करने की प्रेरणा देना।

परिणाम:

- छात्राओं ने अपनी सृजनात्मक कौशल का प्रयोग करते हुए हिंदी के गौरव को रेखांकित किया।

गतिविधि 2 : " हिन्दी भाषा, साहित्य एवं मानव मूल्य" विषय पर भाषण प्रतियोगिता

तिथि : 10 सितम्बर, 2024

उद्देश्य :

- छात्राओं को हिंदी भाषा में शुद्ध रूप से भाषण देने का कौशल विकसित करने का अवसर देना।
- छात्राओं को हिंदी साहित्य में मानव मूल्यों की शिक्षा पर विचार करने का अवसर देना।

बीकॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा, सुश्री आभारिका बधवार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा, सुश्री सेज़ल द्वित्तीय स्थान पर रही।

परिणाम:

- छात्राओं ने शुद्ध हिंदी में बोलने का अभ्यास किया और उसमें सफ़ल रहीं।
- छात्राओं ने हिंदी साहित्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। मानव मूल्य की शिक्षा समाज के उन्नयन के लिए क्यों ज़रूरी है, इस पर भी उन्हें विचार करने का मौका मिला।

गतिविधि 3 : हिन्दी में वर्तनी एवं शुद्ध उच्चारण पर लैंग्वेज लैब में प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

तिथि : 11 सितम्बर, 2024

उद्देश्य :

- छात्राओं को हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी के प्रयोग के बारे में अवगत कराना ।
- छात्राओं को शुद्ध हिंदी का उच्चारण और वर्तनी सम्बन्धी गलतियों को सुधारने का सुअवसर प्रदान करना।

परिणाम:

- छात्राओं ने हिंदी शिक्षण के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के प्रयोग की संभावनाओं के बारे में जाना।

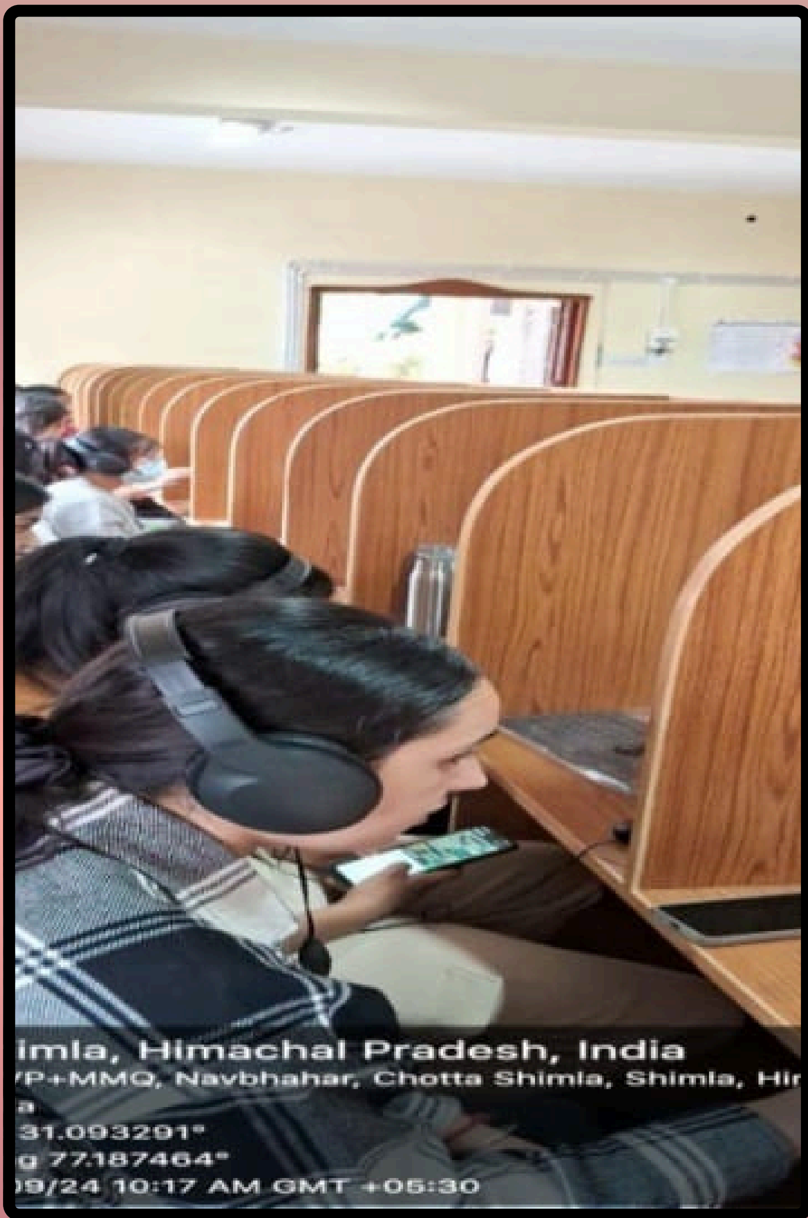

गतिविधि 4 : दूरदर्शन हिमाचल पर कार्यक्रम 'वाग्धारा' में "हिंदी भाषा शिक्षण और संस्कृति का संवर्धन" पर एक लाइव टॉक शो

तिथि : 13 सितम्बर, 2024

उद्देश्य :

- हिंदी भाषा और साहित्य किस प्रकार भारतीय संस्कृति के संवर्धन में योगदान देता है, इसका प्रसार दूरदर्शन मंच के माध्यम से आम जन तक करना।
- छात्राओं को महाविद्यालय से बाहर, अपने विचारों को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करना।
- छात्राओं को अपनी संचार कला को निखारने का अवसर प्रदान करना और उनके आत्म-विश्वास को बढ़ाना।

दूरदर्शन हिमाचल पर कार्यक्रम 'वाग्धारा' में "हिंदी भाषा शिक्षण और संस्कृति का संवर्धन" पर एक लाइव टॉक शो में सुश्री सेज़ल और सुश्री आस्था भारद्वाज, बी.ए द्वितीय वर्ष ने अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया। छात्राओं को अपनी प्रस्तुति प्रभावशाली ढंग से देने का प्रशिक्षण विभाग की अध्यक्षा, डॉ देविना अक्षयवर ने दी।

परिणाम:

- हिंदी भाषा और साहित्य के माध्यम से संस्कृति का संवर्धन किस प्रकार किया जा सकता है, दर्शकों तक यह विचार पहुँचाया गया।
- छात्राओं ने आत्म-विश्वास और सुचारु रूप से अपने विचार साझा किये। उनके लिए सार्वजनिक मंच पर लाइव प्रस्तुति देने का यह अनुभव दिलचस्प रहा।
- अपनी संचार कला को निखारते हुए, उन्होंने हिंदी भाषा की गरिमा को पहचाना।

हिंदी सप्ताह के दौरान हिमाचल कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, शिमला द्वारा गेयटी थियेटर, मॉल रोड शिमला में आयोजित विभिन्न अंतर-विद्यालय गतिविधियों में सेंट बीड्स महाविद्यालय की छात्राओं ने भाग लिया जिनको ख़ास प्रशिक्षण हिंदी विभाग की प्राध्यापिका, श्रीमती अंजना देवी ने दी।

12 सितम्बर को आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतिभागी छात्राओं का विवरण इस प्रकार है –

- निबंध लेखन - सुश्री रिया शर्मा, बी.ए तृत्तीय वर्ष
- कविता पाठ - सुश्री सहर शर्मा बी.ए तृत्तीय वर्ष
- भाषण - सुश्री सेज़ल सेज़ल बी.ए द्वित्तीय वर्ष
- प्रश्नोत्तरी - सुश्री हिमानी बी.ए तृत्तीय वर्ष

निबंध लेखन प्रतियोगिता में सुश्री रिया शर्मा प्रथम स्थान पर रही। इन सभी आयोजनों में छात्राओं की भागीदारी ने हिंदी भाषा के प्रति उनके समर्पण और इसके संवर्धन के प्रति निष्ठा को दर्शाया ।

हिंदी दिवस समारोह

तिथि : 14 सितम्बर, 2024

उद्देश्य :

- हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति छात्राओं को सजग करना।
- अनेक गतिविधियों में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से उनका आत्म-विश्वास बढ़ाना।
- हिंदी में मंच संचालन और गतिविधियों के आयोजन में उनकी भागीदारी से उनका नेतृत्व कौशल निखारना।

हिंदी दिवस 2024 के अवसर पर, सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला के हिंदी विभाग द्वारा 14 सितंबर, 2024 को महाविद्यालय के सभागार में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। 'हिंदी और सामाजिक समरसता' विषय पर आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में संगीत विभाग का भी योगदान रहा। महाविद्यालय के समस्त शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टॉफ़ की उपस्थिति में छात्राओं ने मिलकर हिंदी भाषा की महिमा - गान किया और उस दिन को याद किया जब 1949 में इसे भारत की केंद्र सरकार की आधिकारिक भाषा का दर्ज़ा दिया गया था। महाविद्यालय की प्रबंधिका महोदया, सिस्टर ग्रेस जोसेफ़ द्वारा दिए गए भाषण के बाद, बी.ए, बीकॉम और डी.एल.एड. विभाग की छात्राओं ने भाषण, गीत, नाटक तथा नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति दी, जिनके माध्यम से भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों के प्रचार-प्रसार और सामाजिक समरसता को बनाए रखने में हिंदी भाषा की प्रासंगिकता उल्लिखित होती है।

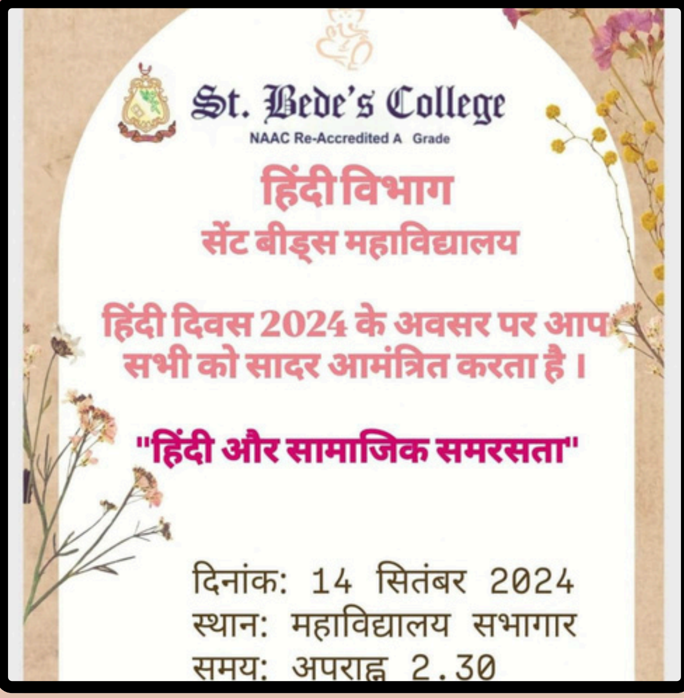

परिणाम:

- छात्राओं को ज्ञात हुआ कि संस्कृति का संरक्षण करने में भाषा की अहम् भूमिका होती है।
- गायन, नृत्य, अभिनय आदि गतिविधियों में भाग लेकर छात्राओं का आत्म-विश्वास बढ़ा और मंच पर प्रस्तुति देने में वे और सक्षम हुईं।
- गतिविधियों के आयोजन में छात्राओं के नेतृत्व कौशल में निखार आया और विभाग की भावी गतिविधियों में भाग लेने के लिए वे प्रेरित हुईं।

भारतीय भाषा दिवस 2024 के अवसर पर डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग

तिथि : 11 दिसंबर, 2024

उद्देश्य :

- छात्राओं को मातृभाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने और भारत और उसके बाहर विभिन्न भाषाई और सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना।
- कवि की देश-भक्ति से ओतप्रोत साहित्य के माध्यम से छात्राओं को देश के प्रति सम्मान बढ़ने की प्रेरणा देना।
- छात्रों की अपनी रचनात्मक और आलोचनात्मक योग्यता को बढ़ावा देना।

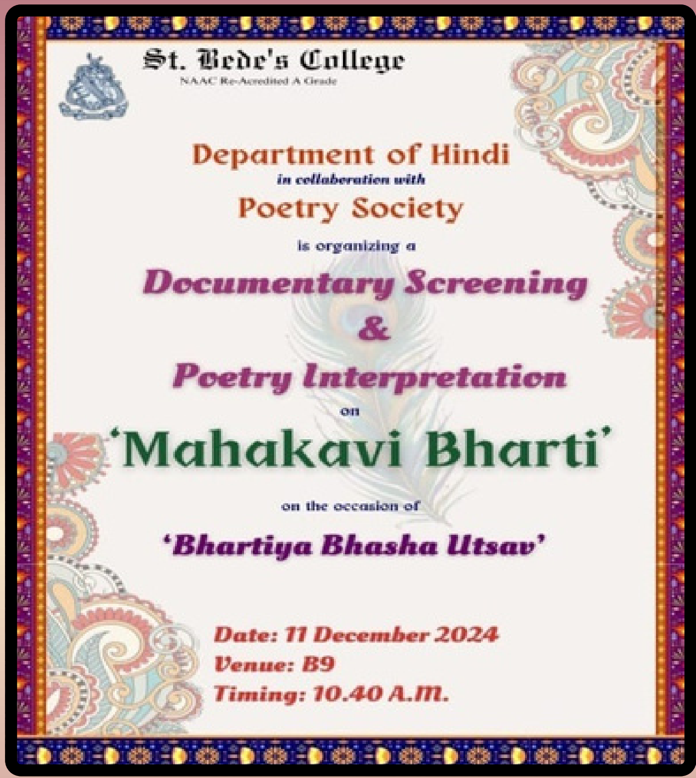

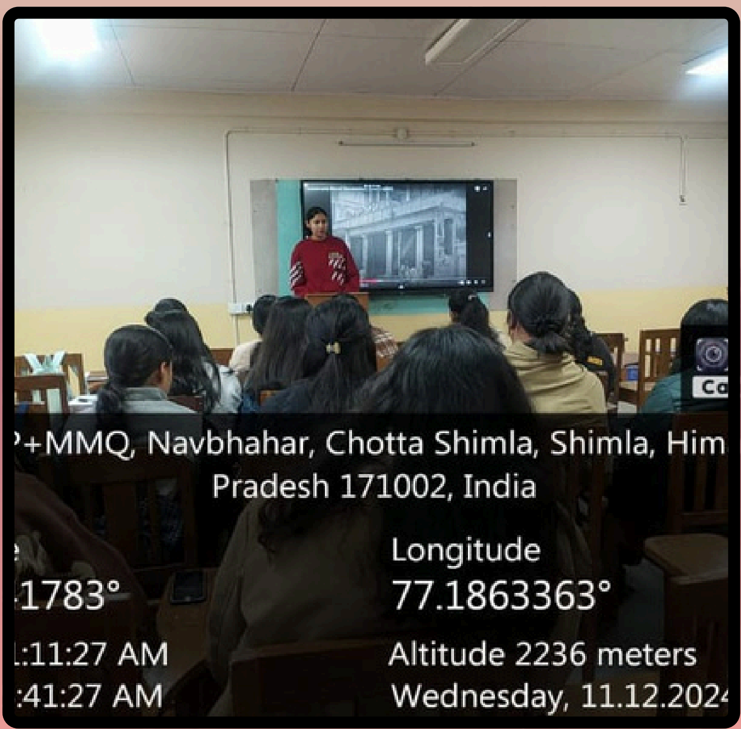

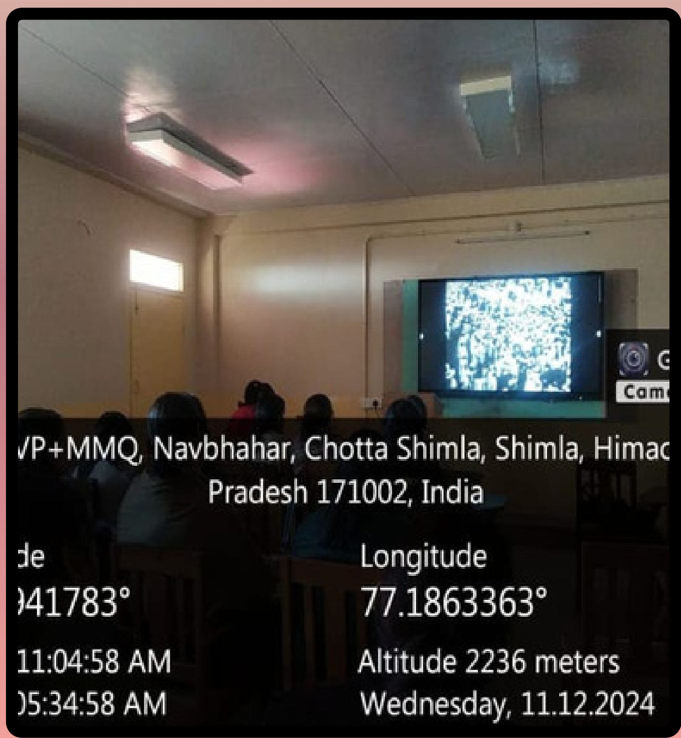

भारतीय भाषा दिवस 2024 के अवसर पर, सेंट बीड्स महाविद्यालय, शिमला के हिंदी विभाग और पोएट्री सोसायटी की सहभागिता में 11 दिसंबर, 2024 को महान भारतीय कवि सुब्रमण्य भारती के जीवन और उपलब्धियों पर एक डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया, जिसके बाद उनकी साहित्यिक कृतियों की व्याख्या छात्राओं द्वारा की गयी। छात्राओं को 'महाकवि भारती' और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके साहित्यिक योगदान के बारे में अवगत कराया गया, जो समानता, बंधुत्व और शांति आदि मूल्यों पर आधारित था।

परिणाम:

- छात्राओं ने बहु-भाषिकता और बहु-सांस्कृतिक समाज की विशेषता को समझा।
- छात्राओं को भारतीय भाषाओं में रचित साहित्य में देश-भक्ति और स्वतंत्रता प्राप्ति की उत्कट इच्छा के बारे में ज्ञात हुआ।
- उनकी रचनात्मक और आलोचनात्मक लेखन को बढ़ावा मिला।

बी.ए प्रथम वर्ष की छात्राओं को हिंदी टंकण पर प्रशिक्षण

तिथि : 14 दिसंबर, 2024
उद्देश्य :

- छात्राओं को आईसीटी टूल्स का प्रयोग करने की प्रेरणा देना।
- हिंदी भाषा में टंकण करने में सक्षम बनाना।

महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 14 दिसंबर, 2025 को बी.ए की छात्राओं के निमित एक कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसके दौरान छात्राओं को आईसीटी टूल्स के प्रयोग के साथ हिंदी में टंकण पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके माध्यम से छात्राओं को अपने परियोजना कार्य और कॉलेज पत्रिका के हिंदी अनुभाग में अपनी प्रविष्टियाँ टंकित करके प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

परिणाम:

- छात्राओं ने आईसीटी टूल्स के कई उपयोगों में से हिंदी टंकण के बारे में जानकारी हासिल की।
- स्वयं हिंदी में टंकण कार्य करते हुए उन्होंने हिंदी में लिखने के प्रति रुचि दिखाई।

इस गतिविधि से छात्राएँ लाभान्वित हुईं।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2025

तिथि : 21 फ़रवरी 2025

उद्देश्य:

- छात्राओं को अपनी मातृभाषा में अच्छी तरह से बोलने, पढ़ने और लिखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्राओं को अपनी स्थानीय संस्कृति के बारे में जानने और उसे अपने साहित्यिक कार्यों के माध्यम से व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना।
- छात्राओं में अपनी क्षेत्रीय बोली में व्यवहार करने का आत्म विश्वास बढ़ाना।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2025 के अवसर पर सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा छात्राओं के लिए लघु-कथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं को अपनी रचनात्मकता को अपनी क्षेत्रीय भाषा या बोलियों में प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे न केवल उनकी भाषा बल्कि संस्कृति का भी संरक्षण हो सके। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष की सुश्री सैजल शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बी.ए. प्रथम वर्ष की सुश्री सृजन दूसरे स्थान पर रहीं।

परिणाम:

- छात्राओं ने इस प्रकार की गतिविधि की सराहना की। वे अपनी स्थानीय बोलियों का उपयोग करने के लिए प्रेरित हुईं।
- छात्राओं ने क्षेत्रीय भाषाओं और संस्कृति को बढ़ावा देने के पीछे उद्देश्य को समझा।
- उन्होंने आत्मविश्वास के साथ अपनी मातृभाषा में रचना प्रस्तुत करने में रुचि दिखाई।

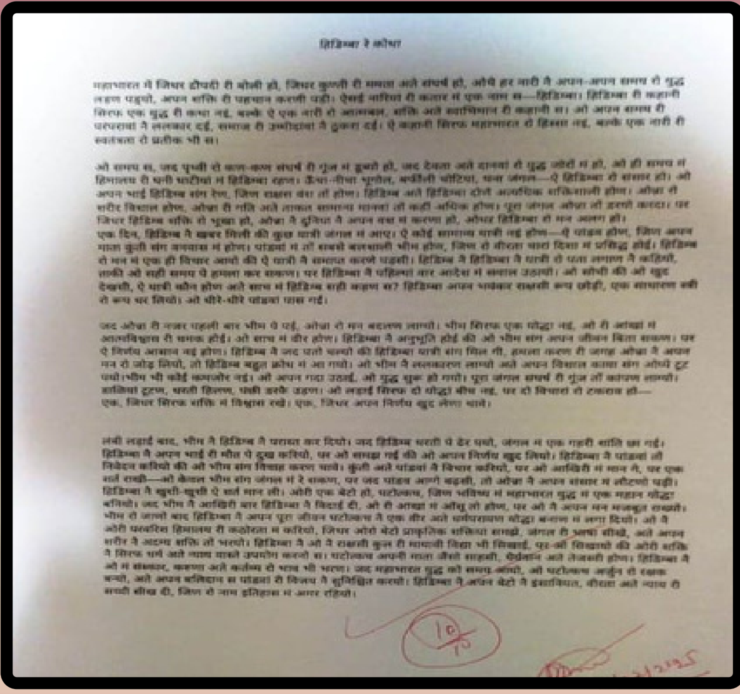

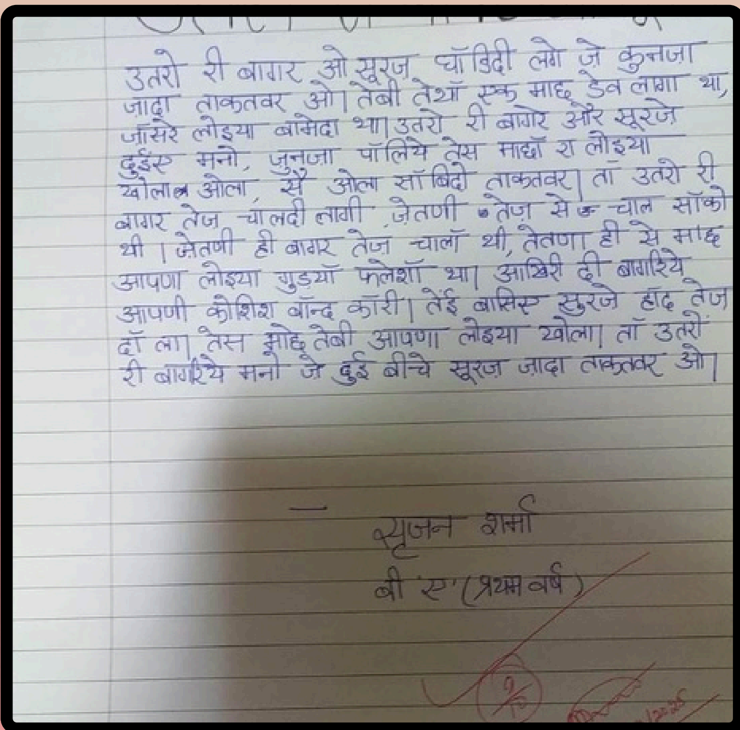

उतरो री बागर ओ सूरज घॉखिदी लगे जे कुनजा जादा ताकतवर ओ। तेबी तेथॉ एक माह्ढ डेव लागा था, जासिरे लोइया बान्दा था। उतरो री बागरे और सूरजे दुईए मनो, जुनजा पॉलिये तेस माह्ढा रा लोइया खोला ओला, से ओला सॉबिदी ताकतवर। तॉ उतरो री बागर तेज चॉलदी लागी। जेतणी तेज से चाल सॉको थी। जेतणी ही बागर तेज चालॉ थी, तेतणा ही से माह्ढ आपणा लोइया गुड्यॉ फलेशॉ था। आखिरी दी बागरिये आपणी कोशिश बॉन्द कारी। तेई बासिए सूरजे हॉद तेज दॉ ला। तेस माह्ढ तेबी आपणा लोइया खोला। तॉ उतरो री बागरिये मनो जे दुई बीचे सूरज जादा ताकतवर ओ।

— सृजन शर्मा

बी 'ए' (प्रथम वर्ष)

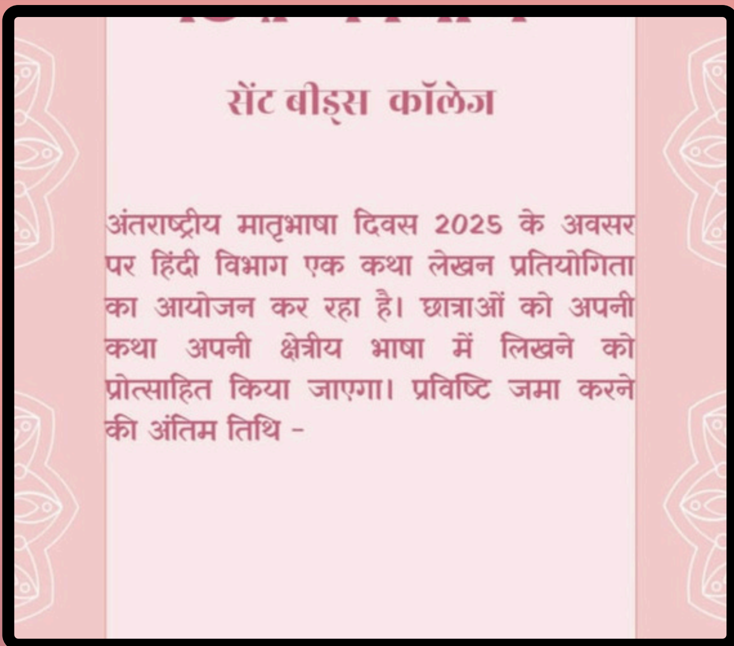

सेंट बीड्स कॉलेज

अंतराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2025 के अवसर पर हिंदी विभाग एक कथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। छात्राओं को अपनी कथा अपनी क्षेत्रीय भाषा में लिखने को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रविष्टि जमा करने की अंतिम तिथि -

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025
तिथि : 21 फ़रवरी 2025
उद्देश्य:

- छात्राओं को महिला दिवस मनाने के पीछे उद्देश्य के बारे में अवगत कराना और महिला अधिकारों के प्रति जागरूक करना।
- स्त्री समाज का हिस्सा होने के नाते छात्राएँ उन सामाजिक कुरीतियों को पहचानकर उनको निर्मूल करने में अपना योगदान दे सकें जो स्त्री के विकास में बाधा सिद्ध होती हैं।
- छात्राओं की वैचारिकता और सृजन कौशल में वृद्धि लाना।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के उपलक्ष्य में सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा महिला सशक्तीकरण और समाज में शिक्षा के समान अवसर के प्रश्न पर एक फ़िल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसकी समीक्षा लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। इस गतिविधि में बीकॉम द्वित्तीय वर्ष की छात्राओं ने रुचि ली। संगोष्ठी कक्ष में 'लापता लेडीज़' फ़िल्म को दर्शाने के बाद छात्राओं उसकी समीक्षा लिखी। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुश्री स्नेहा शर्मा और द्वित्तीय स्थान पर सुश्री परीक्षिता नरवाल रहीं ।

वार्षिक दिवस 2024-25

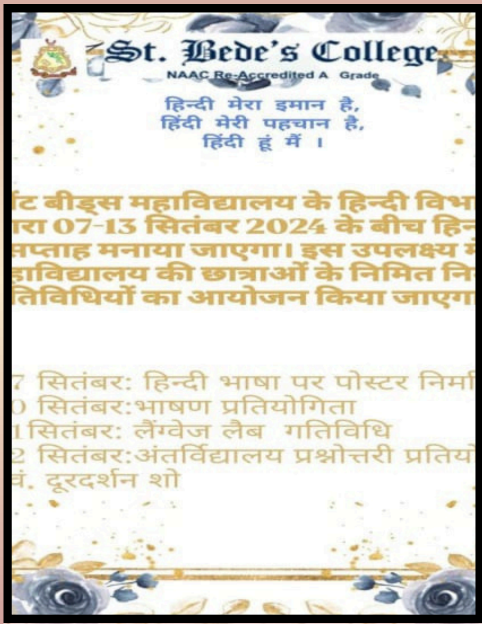

विभाग की उपलब्धियाँ

द्वारा सिस्टर प्रोफेसर मॉली अब्राहम, सेंट बीड्स कॉलेज शिमला - 171002 विभाग प्रधान सम्पादिका डॉ. देविना अक्षयवर, सहायक सम्पादिका सुश्री अंजना देवी, छात्र सम्पादिका सुश्री साक्षी सांसटा, छात्र सह - सम्पादिका सुश्री प्रियान रुकटा